राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | वर्ष 2024, कृष्ण पक्ष (फाल्गुन) विक्रम संवत - 2080, मार्च | मासिक ई पत्रिका

" महाजनो येन गतः स पंथाः "

समाजसेवी के रूप में सुश्री डॉक्टर रजनी बाला अग्रवाल

इस संसार में ऐसे अनेक लोग हुए हैं जो अपने निहित स्वार्थ को त्याग कर, यश लिप्सा से रहित अनाम रूप से समाज की सेवा करते रहते हैं। दूसरों की भलाई के लिए उनके मन में रहने वाला सेवाभाव और त्याग जन सामान्य के लिए के लिए सविशेष आज के युवाओं के लिए प्रेरणा का जीवंत मूर्त रूप बनता है।

ऐसे सेवाभावी लोगों की ही गणना में एक नाम बड़े आदर के साथ लिया जाता है। राष्ट्रीय सेवा भारती के पदाधिकारियों के प्रवास के दौरान एक ऐसे मातृशक्ति से संवाद हुआ जिनसे मिलकर वे प्रभावित हुए बिना न रह सके। वह पावन नाम है- **सुश्री डॉक्टर रजनी बाला अग्रवाल** का। आपका जन्म 75 वर्ष पूर्व 03 दिसंबर 1948 को हुआ।

अपने जीवन की कठिन परिस्थितियों से मुकाबला करते हुए आपने 1961 में मैट्रिक, 1965 में स्नातक परीक्षाएँ उत्तीर्ण कीं। बालिका विद्यापीठ लखीसराय में 1968 से 1971 तक प्रधानाचार्य के दायित्व का कुशलता के साथ निर्वाह किया। बाद में अपने 1971-72 में मधुबनी में झूमक महासेठ डॉ० धर्म प्रिय लाल महिला महाविद्यालय की स्थापना की।

कालांतर में आपने 1967 में स्नातकोत्तर एवं 1971 में बी एड तथा 1984 पीएचडी जैसी उच्च शिक्षा संपूर्ण की। 1971-72 में ही "नारी शिशु कल्याण परिषद" स्वयंसेवी संस्था की स्थापना की। आपने समाज के कार्यों को निरंतर गति प्रदान करते हुए सन 1967-68 रोसरा में मुसाय नामक बालिका उच्च विद्यालय एवं दरभंगा के केवटी रनवे में 1972 73 में रामरिक सुंदरी कन्या उच्च विद्यालय की स्थापना की। इसी कड़ी में आगे जाकर 1972 में मिथिला पेंटिंग की शुरुआत की एवं उसको उचित सम्मान दिलाने के लिए एवं व्यावसायिक उपयोग हेतु शुरुआत की।

आपके द्वारा स्थापित "नारी शिशु कल्याण परिषद" के द्वारा विभिन्न कला एवं सिलाई प्रशिक्षण आदि का कार्य किया गया है। समाज सेवा में इसी तरह गतिशील होते हुए आपने 1972 में आर्य संगीत महाविद्यालय की स्थापना की। 1975 में गया में "दीनबंधु आश्रम अनाथालय" की स्थापना की। जिसमें शुरुआती दौर में 35 बच्चे-बच्चियों का लालन-पालन एवं शिक्षित करने का कार्य किया गया। आँगनबाड़ी प्रशिक्षण केंद्र की प्रथम इकाई 1983 में, दूसरी इकाई 2005 में प्रारंभ की गई। 1972 में ही अरुण शिशु मंदिर की स्थापना की। इन सब सेवा कार्यों के साथ-साथ निरक्षर लोगों को शिक्षा देने के लिए प्रौढ़ शिक्षा के 90 केंद्रों का संचालन किया। दरभंगा के बरहेता गाँव में 10 महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु पशुपालन के तहत गाय अनुदान स्वरूप दी गयीं। महिलाओं को 1975 में आशुलिपि एवं टाइपिंग का प्रशिक्षण दिया गया।

परम सेवाभावी डॉ० रजनी बाला अग्रवाल के द्वारा समाज के हित में निरंतर अनेक कार्य हो रहे हैं। वास्तव में आज समाज और देश की भलाई के लिए ऐसे ही समाजसेवियों की बहुत आवश्यकता है। हम ऐसे समाजसेवियों को नमन करते हैं। ●

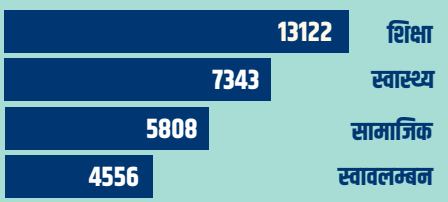

सेवा कार्यवृत्त

"नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय -झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर के 903 जिलों में सेवा भारती द्वारा 43045 सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं।"

राष्ट्रीय सेवा भारती - दिल्ली
न्यास मंडल बैठक

राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यास मंडल की बैठक दिनांक 21 फरवरी 2024 को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में माननीय श्रीमान पन्नालाल जी भंसाली के अध्यक्षता में दो सत्रों में संपन्न हुई। बैठक में दो नए न्यासियों, श्रीमान कृष्ण मोहन जी एवं श्रीमान कुलभूषण आहूजा जी को न्यास मंडल में शामिल करने का प्रस्ताव पारित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रथम सेवा प्रमुख स्वर्गीय सूर्य नारायण राव कार्यकर्ता विकास योजना के अंतर्गत चार में से शेष दो वर्ग आयोजित करने का निर्णय लिया गया। माननीय पराग अभ्यंकर जी अ.भा. सेवा प्रमुख ने सभी कार्यकर्ताओं से अपने प्रयासों को सर्वव्यापी तथा सर्व स्पर्शी बनाने का आह्वान के साथ-साथ अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए संख्यात्मक उपलब्धि से अधिक गुणवत्तापूर्ण उपलब्धि प्राप्त करने पर बल दिया।

विषय समिति बैठक

दिनांक 20 फरवरी से 23 फरवरी तक राष्ट्रीय सेवा भारती की नई दिल्ली कार्यालय के सभा कक्ष में अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा तथा आगामी तीन वर्षों के लिए लक्ष्य एवं दिशा निर्धारण के लिए अलग-अलग विषय टोली की बैठक संपन्न हुई। इसमें अध्ययन, प्रशिक्षण, छात्रावास, किशोरी विकास, प्रचार, वैभव श्री एवं स्वावलंबन, कार्यालय कार्य, CSR एवं आर्थिक, आपदा प्रबंधन, इत्यादि विषयों के अंतर्गत चल रहे प्रकल्पों, गतिविधियों एवं उपक्रमों को सर्वव्यापी और सर्वस्पर्शी कैसे बनाया जाय, सेवितों के बीच से अधिक से अधिक सेवा कार्यकर्ता कैसे बने, इन बिंदुओं पर गहराई से चिंतन एवं चर्चा की गई। विषय टोली के सदस्यों से अपेक्षा होगी कि अपने प्रवास के दौरान वे इसे सभी प्रांत प्रतिनिधि संस्थाओं तक व्यावहारिकता के धरातल पर मूर्त रूप देने का प्रयास करेंगे।

स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना वर्ग- (भोपाल)
द्वितीय प्रशिक्षण वर्ग
साधना

एक गतिशील और समृद्धि भरे प्रयास में, **स्व. सूर्यनारायण राव सेवा कार्यकर्ता विकास योजना** की कड़ी में हमारा दूसरा वर्ग **"साधना"** एमपीसीएसटी विज्ञान केंद्र, भोपाल में आयोजित हुआ, जहां 25 उत्साही विकास यात्रियों ने एक परिवर्तनकारी 4-दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।व्यक्तिगत विकास यात्रा को बढ़ावा देने वाला यह समागम कौशलों के विभिन्न क्षेत्रों को छूने का माध्यम बना। विकास यात्रियों ने लक्ष्य-निर्धारण रणनीतियों में, समय और प्राथमिकता प्रबंधन में, प्रस्तुति कौशल के साथ व्यक्तिगत बातचीत एवं लिखित संवाद के संदर्भ में युक्तियाँ सीखी जिन्हें वह अपने दैनिक जीवन में उपयोग कर सकेंगे । प्रभावी मीटिंग और कार्यक्रम प्रबंधन की जटिलताओं को समझते हुए उत्कृष्ट प्रशिक्षण का आयोजन कैसे किया जाए और डिजिटल परिपक्वता के संदर्भ में भी जानकारी प्राप्त की। कार्यशाला में कार्यालय प्रबंधन के मूल सिद्धांतों को समझने के लिए प्रकल्प दर्शन का आयोजन भी किया गया। चालक, सहयोगी, और विकास यात्री के साथ त्रिकोणीय आपसी संवाद ने एक अद्वितीय आयाम जोड़ा, जहां विकास यात्रियों को व्यक्तिगत विकास योजना बनाने के लिए ज़रूरी सहायता प्रदान की गई।

प्रान्त : अवध

सेवा भारती अवध प्रांत - लखनऊ में किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ। जिसमें प्रान्त के विभिन्न जिलों से किशोरियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। किशोरियों का हर स्तर पर किस प्रकार सम्पूर्ण विकास हो एवं आज की भाग दौड़ भरी जीवन शैली में वह किस प्रकार सामंजस्य बिठाते हुए अपना ,अपने परिवार,समाज एवम राष्ट्र को उत्तरोत्तर उन्नति की दिशा में आगे की ओर ले जाएं इस विषय को बहुत ही गहनता से समझाते हुए मुख्यता कुछ बिंदुओं पर विशेष मार्गदर्शन दिया। जिसमें कार्य को कहां करना, किनके बीच में करना, किस प्रकार करना, किस प्रकार समाज को साथ लेकर चलना इत्यादि महत्वपूर्ण बिंदुओं के साथ साथ अपने विषय को वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक पहलू से जोड़ते हुए पूर्ण प्रबलता के साथ सभी के सामने कुछ अन्य महत्वपूर्ण विषयों को रखा जिसमें मुख्यता अन्नमय कोष, प्राणमय कोष, मनोमय कोष, विज्ञानमय कोष, आनंदमय कोष जैसे मानव शरीर से सम्बंधित सभी पहलुओं का दैनिक जीवन मे किस प्रकार प्रभाव पड़ता है, उन सभी की एक नवीन दृष्टिकोण से व्याख्या करते हुए उनकी सूक्ष्मतम व्याख्या प्रस्तुत की ,इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए उन्होंने बताया कि किस प्रकार शारीरिक व मानसिक विकास के साथ ही अपने व अपने आस-पास हो रहे घटनाक्रम के प्रति किस प्रकार सदैव सचेत रहें। अपने साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में किस प्रकार महत्वपूर्ण सहभागिता हो सके जैसे विषयों को भी विस्तार से समझाया। जिसमें तनाव प्रबंधन का विषय अति महत्वपूर्ण रहा क्योंकि जब हम ठीक होंगे तो ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकेंगे। समय के प्रबंधन से लेकर स्व मूल्यांकन जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर भी इस प्रशिक्षण में प्रकाश डाला।

प्रान्त : पश्चिम महाराष्ट्र

दिनांक 9 से 16 फरवरी में रा. स्व. संघ जन कल्याण समिति द्वारा 01 लाख 47 हजार सूर्य नमस्कार यज्ञ सम्पन्न हुए। साथ ही, इस अवधि के दौरान अभिभावक पर्यवेक्षकों द्वारा 3251 सूर्य नमस्कार किये गये। सर्वश्रेष्ठ तीन को पुरस्कार वितरित भी किये गये।

प्रान्त : गुजरात

सेवा भारती, गुजरात द्वारा दिनांक 27-2-24 को ग्राम - रूईपाड़ा , लहानकसाड में ग्राम स्वच्छता अभियान के अंतर्गत मेडिकल कैंप आयोजित किया गया। जिसमें कुल संख्या 36 रही। चिकित्सकों द्वारा स्वच्छता के बारे में जानकारी और दवा वितरण की गई।

प्रान्त : मालवा

इंदौर, 3 फरवरी 2024, वर्ल्ड वेटलैंड डे के उपलक्ष्य में आत्मनिर्भर स्वयं सहायता समूह की बहनों द्वारा निर्मित स्वदेशी उत्पादों की, प्रीतम लाल दुआ सभागृह में आयोजित प्रदर्शनी का रामसर सचिवालय की महासचिव डॉ. मुसोंडा मुम्बाशा एवं वरिष्ठ सलाहकार एशिया-ओशिनिया रामसर कन्वेंशन श्री बेओम सिक यू द्वारा अवलोकन किया गया। इस प्रदर्शनी में सेवा भारती द्वारा संचालित स्वयं सहायता समूह (वैभवश्री) द्वारा बनाए गए उत्पादों का स्टॉल लगाया गया। सेवा भारती द्वारा स्वावलंबन के लिए किए गए कार्य की विस्तार से जानकारी भी दी गई। डॉ. मुसोंडा मुम्बाशा ने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से किये जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर अपर आयुक्त श्री मनोज कुमार वर्मा, सिटी मिशन मैनेजर श्रीमती दीप्ति रावत एवं बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह की बहनें उपस्थित थी।

प्रान्त : काशी

दिनांक 03-03-2024 को सेवा भारती समिति, काशी प्रांत के द्वारा में माधव सेवा प्रकल्प चंदापुर लोहता में **नेत्र चिकित्सा शिविर** का आयोजन किया गया। आर के नेत्रालय महमूरगंज वाराणसी के डा.आर के ओझा एवं उनके आठ सहयोगियों ने सेवा बस्ती के 123 लोगों का आँखों का नि:शुल्क परीक्षण कर दवा का वितरण किया।

प्रान्त : जोधपुर

सेवा भारती अनूपगढ द्वारा बाजीगर बस्ती में आस्ट्रेलिया निवासी श्री अरविंद जी बाघला के सौजन्य से एक नये बाल संस्कार केंद्र का शुभारंभ किया गया। श्री अरविंद बाघला जी द्वारा सेवा भारती के दो प्रकल्पों को आजीवन गोद लिया गया है।

प्रान्त : मेरठ

सेवा भारती हापुड़, मेरठ प्रान्त द्वारा ब्रजघाट मोक्ष धाम में सेवा प्रकल्प शुरू किया। 16 संस्कारों में अंतिम क्रिया कर्म के लिए यह प्रकल्प गरीब लोगों के लिए स्थापित किया गया है। इस प्रकल्प का शुभारम्भ श्री राजकुमार मटाले अ.भा. सह सेवा प्रमुख रा. स्व.सं., प्रात सेवा प्रमुख कुलदीप, जिला अध्यक्ष सेवा भारती नरेश मिश्रा, प्रांत सह मंत्री विपिन, आलोक जी प्रान्त प्रचार प्रमुख, हापुड़ जिला सेवा समिति की टोली, ब्रजघाट मोक्ष धाम की समिति की टोली व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हापुड़ के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रान्त : पंजाब

दिनांक 12 फरवरी 2024 को समर्पण चल चिकित्साल्य सेवा के माध्यम से पंजाब के रोपड़ में स्थित गुरुनानक कुष्ठ आश्रम में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में कुष्ठ रोगी भाई-बहनों के घावों की साफ-सफाई, मरहम-पट्टी एवं शल्य चिकित्सा के साथ-साथ आवश्यक स्वास्थ्य जांच जैसे रक्तचाप, मधुमेह, आधुनिक तकनीक से विभिन्न प्रकार की खून की जाँच इत्यादि की गईं। इसके अतिरिक्त अनुभवी चिकित्सकों द्वारा परामर्श, आवश्यकतानुसार दवाएं-इंजेक्शन, दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं महिलाओं को सैनेट्री पैड भी निःशुल्क वितरित किए गए।

गौरतलब है कि समर्पण फाउंडेशन ट्रस्ट व राष्ट्रीय सेवा भारती के सहयोग से देशभर में कुष्ठ रोगी भाई-बहनों को उनके निवास स्थान पर ही निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध करवा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत पंजाब के सभी कुष्ठ आश्रमों में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

प्रान्त : गुजरात

सेवा भारती, गुजरात द्वारा दिनांक-12-2-24 ग्राम-विभुपाड़ा कार्यकर्ता -डॉ वेद श्रीवास्तवा, कलाबेन, अरुणा बेन(इस गांव में अपने मंडल की प्रमुख) , सतीश भाई विषय-सुपोषित भारत अभियान को ध्यान में रखते हुए विभुपाड़ा प्राथमिक विद्यालय के 3 से 10 वर्ष तक के बच्चो की रूटीन चेकअप किया गया।

प्रान्त : मालवा

स्वावलंबन आयाम के अंतर्गत सेवा भारती, इंदौर द्वारा ज्योतिबा फुले नगर, जिला द्वारिका एवं निरंजनपुर केन्द्र, जिला बद्रीनाथ में बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आगामी त्यौहार होली और रंगपंचमी को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक,हर्बल, रसायनमुक्त गुलाल कार्यशाला में रंग निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयं सहायता समूह वैभवश्री की 20 बहनों को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रान्त: देवगिरी

जनकल्याण आवासीय विद्यालय हरंगुल (बु), लातूर में दिनांक 2,3,4 फरवरी 2024 को वार्षिकोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में मा. श्री जगदीश स्वामी, संचालक, नर्मदा ट्रेवल्स, लातूर एवं मुख्य वक्ता-माननीय. श्री. परागजी कंगले जी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में निम्न गतिविधियाँ की हुई

- विज्ञान प्रदर्शनी - शैक्षिक सामग्री का उत्पादन।
- चित्रकला प्रदर्शनी - छत्रपति शिवाजी महाराज जीवनी।
- पुस्तक प्रदर्शनी
- शिव जन्म से लेकर शिव राज्याभिषेक चित्र प्रदर्शनी।
- खेल प्रदर्शन -09 श्रेणियों में 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

बाल प्रतिभा सम्मान समारोह - 2024

(भुवनेश्वर- उड़ीसा)

प्रान्त : उड़ीसा पूर्व

सेवा भारती द्वारा भुवनेश्वर प्रखंड के बच्चों में छिपी प्रतिभा को सामने लाने हेतु बाल प्रतिभा सम्मान 2024 का आयोजन 11 फरवरी 2024 को भुवनेश्वर के उत्कल विपन्न सहायता समिति परिसर में किया गया। इसका मूल उद्देश्य भुवनेश्वर प्रखंड के बच्चों में छिपी हुई प्रतिभा की खोज करना और उसे लोगों के सम्मुख लाना था। प्रखंड के समस्त 39 बाल संस्कार केंद्रों के 750 में से 304 बच्चे और उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों ने इस शिविर में भाग लिया। उद्घाटन समारोह में यूबीएसएस के अच्युतानंद पाणिग्राही मुख्य अतिथि , सोलर एनर्जी से जुडे व्यापारी कमलेश सिंह अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। राज्य सरकार के जल संपदा विभाग में कार्यरत अभियंता तथा सह प्रांत कार्यवाह सुदर्शन दास मुख्य वक्ता के तौर पर उपस्थित थे। अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित किए जाने के उपरांत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शारीरिक ,बौद्धिक और अन्य विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। शारीरिक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतियोगितात्मक पारंपरिक खेल पूचि व् रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। बौद्धिक कार्यक्रम में चित्रकारी, वाद-विवाद प्रतियोगिता और सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अंत में एकांकी कार्यक्रम के अंतर्गत कहानी सुनाने और एकल,युगल तथा सामूहिक नृत्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। समापन समारोह में सुश्री वर्षा रानी राउत ने देशभक्ति के सुंदर गीत सुनाए। मुख्य अतिथि के तौर पर नाल्को के मानव संसाधन विकास निदेशक राधेश्याम महापात्र मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। अतिथि के तौर पर सेवानिवृत प्रोफेसर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ओड़िशा पूर्व प्रांत कार्यवाह अनिल मिश्रा , राष्ट्रीय सेवा भारती के सचिव डॉ रामकुमार जी (नईदिल्ली) उपस्थित थे। पुरस्कार वितरण समारोह के उपरांत मंच पर उपस्थित सम्मानित अतिथियों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी अतिथियों ने बाल सेवा केन्द्र द्वारा प्रतिभा अन्वेषण कार्यक्रम के लिए आयोजकों को बधाई दी। इस तरह का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न करने पर उन्हें धन्यवाद दिया। श्रीमती लावण्यमयी जेना ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए अयोजकों सहित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

स्वयंनिर्मिती से स्वयंपूर्णता

अहिल्या महिला मण्डल, पेण, रायगढ़, महाराष्ट्र

अश्विनी सुबोध गाडगिल

यह कहानी शुरू होती है 26 वर्ष पहले जब समविचारी ऊर्जावान महिलाओं ने संघ की प्रेरणा से यह विचार किया कि जीवन का ध्येय समाज से आजीविका प्राप्त करने के साथ सेवा के रूप में समाज को लौटाना भी चाहिए। इसी विचार से उन्होंने तय किया कि समाज में वंचित, पीड़ित, उपेक्षित एवं अभावग्रस्त महिलाओं को सेवा द्वारा आत्म निर्भर एवं स्वावलम्बी बनाने हेतु कार्य शुरू करना चाहिए। इसी बीज विचार से प्रेरणा स्रोत अहिल्या बाई होल्कर के आदर्श की स्थापना हेतु 18 अक्टूबर 1996 को अहिल्या बाई की 200 वीं पुण्य तिथि के अवसर पर 'अहिल्या महिला मण्डल' की शुरूआत महाराष्ट्र में रायगढ़ तालुका के पेण कस्बे में की गई। शुरूआत में मुक्ताई विद्या मन्दिर, संस्कृत पाठशाला, जनजाति बालिकाओं के लिए 'आनन्दी वसति गृह' एवं 'विष्णुपंत भागवत' नाम से पुस्तकालय शुरू किया। संजीवनी नाम से एक वृद्धाश्रम भी चलता है।बस्ती एवं आस-पास की महिलाओं को रोजगार मिले उनकी आर्थिक, सामाजिक एवं मानसिक स्थिति उन्नत हो इसलिए महिला मण्डल ने कुछ रोजगार आयाम शुरू किए। उद्योगिनी और स्वयंसिद्धा आयाम के माध्यम से संस्था लगभग 200 महिलाओं को वर्ष-भर का रोजगार उपलब्ध कराती है। महिलाओं को केन्द्र पर सिलाई, कढ़ाई का प्रशिक्षण दिया जाता है। उनके बनाऐ उत्पादों की आस- पास के क्षेत्र एवं बड़े शहरों में प्रदर्शनी एवं मेलों में दुकान लगा कर बिक्री की जाती है। यहाँ महिलाएँ रजाई बनाने का काम प्रमुखता से करती हैं।

माहेर आयाम में मसाले और आचार का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता है। समस्त सामग्री संस्था उपलब्ध कराती है एवं प्राप्त लाभ का समूह में विभाजन किया जाता है। प्रतिवर्ष पाँच से छः हजार किलोग्राम मसाले और आचार, केन्द्र पर बनाये जाते हैं।

नलिनी प्रशिक्षण के माध्यम से आज तक 5000 महिलाओं को स्वावलम्बन हेतु प्रशिक्षण दिया गया है। यहाँ पेपर बैग, साबुन, मसाले और आचार बनाना सिखाया जाता है। इस प्रशिक्षण से 12 महिलाओं ने अपना स्वयं का उद्योग शुरू किया है।इन स्वावलम्बन के कार्यों से घरेलू कार्यों के अलावा अतिरिक्त समय में कार्य कर महिलाओं को आर्थिक स्थिरता प्रदान की जाती है। इस केन्द्र पर कार्य करने वाली संगीता बताती है कि "मेरे पति पिछले वर्ष गुजर गये। मैं अपने बच्चों के साथ एक कमरे के घर में रहती हूँ। मण्डल के केन्द्र पर सिलाई सीख कर रजाई बनाने का कार्य करती हूँ। ये सिलाई का कार्य ही मेरे जीने का आधार बन गया है।"

इसी केन्द्र पर सिलाई की कुशल कारीगर दीपाली बताती है कि **"मेरे पति स्कूल बस के ड्राईवर हैं। कोरोना के कारण दो वर्ष वो कुछ भी नहीं कमा पाए। मैंने कपड़े सिलने का काम सीखा और रात-दिन मेहनत करके अपना घर संभाला। मेरे पति भी मेरी सहायता करते हैं। मैं हर माह अब पन्द्रह हजार रुपये कमाती हूँ।"** बताते- बताते दीपाली की आँखों से खुशी के आँसू निकल पड़ते हैं। ये आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता के आँसू हैं। ऐसे ही अनेक उदाहरणों के साथ महिलाओं को आत्मसम्मान, स्वयंपूर्ण एवं स्वावलम्बन के प्रयासों में अहिल्या महिला मण्डल लगा हुआ है।

प्रान्त : दिल्ली

सेवा भारती, दिल्ली द्वारा जी.बी.रोड स्थित **"उत्कर्ष"** प्रकल्प पर यौन कर्मियों के आँखों संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु मोबाइल क्लिनिक का शुभारम्भ किया गया।

प्रान्त: जम्मू

सेवा भारती, जम्मू जिला रामबन द्वारा सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का 11 शिक्षार्थी बहनों के साथ शुभारम्भ किया गया।

प्रान्त: छत्तीसगढ़

सेवा भारती समिति छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में रोहनीपुरम शिक्षण संस्थान, रायपुर में किशोरी विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन एवम् अतिथि परिचय, स्वागत के पश्चात सेवा बस्तियों के बालिकाओं द्वारा , वंदना, गीत, नियुद्ध, यष्ठी आदि का प्रदर्शन किया गया। श्री जगदीश भाई पटेल (प्रांत संयोजक स्वावलंबी भारत अभियान) द्वारा स्वावलंबन के विषय में प्रकाश डाला गया। संस्कार केंद्र के 21 शिक्षको को कंबल वितरण किया गया। सेवा भारती महिला स्वावलंबन द्वारा उत्पादित सामग्री का विक्रय केंद्र कार्यशाला में संचालित किया गया। कार्यशाला में 255 किशोरी, 21 शिक्षक, 10 अतिथि, 15 व्यवस्था, 8 विभिन्न समाज से। कुल 309 लोग कार्यक्रम शामिल हुए।

प्रान्त: मालवा

अग्निवीर कक्षाओं का शुभारंभ युवा वर्ग को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से सेवा भारती,उज्जैन द्वारा संचालित **'दिशा प्रतियोगिता प्रशिक्षण केंद्र'** पर बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर अग्निवीर पद के चयन के लिए आर्मी (अग्निवीर) कक्षाएं प्रारंभ की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नागेश जी मालवीय (जिला सैनिक कल्याण अधिकारी) एवं मुख्य वक्ता के रूप में योगेश जी भार्गव (महानगर संघचालक,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) उपस्थित थे। अग्निवीर कक्षा का बैच 6 माह का रहेगा जिसमें लिखित व भौतिक प्रशिक्षण सम्मिलित है।

कार्यालय पता:
राष्ट्रीय सेवा भारती
BD-37, गली न.14, फैज़ रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली -110005

वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618,
मोबाइल न. 09868245005